कार्यक्रम कोड : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP) के अंतर्गत स्नातक कार्यक्रम मराठी विषय पाठ्यचर्या

अकादमिक सत्र 2021-22

सेमेस्टर	कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड)	कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम)	कोर्स क्रेडिट
प्रथम	MSMU 111	मराठी भाषा परिचय	04
	MSMU 112	मराठी साहित्य परिचय	02
द्वितीय	MSMU 113	मराठी साहित्य प्रकार: गद्य	04
	MSMU 114	मराठी व्याकरण	02
तृतीय	MSMU 115	संत साहित्याचा अभ्यास	04
	MSMU 116	सामान्य भाषा विज्ञान	02
चतुर्थ	MSMU 117	मराठी नाटक	04
	MSMU 118	भाषांतर विद्या: मराठी-हिंदी	02
		कुल	**24**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 (NEP) के अंतर्गत स्नातक कार्यक्रम : मराठी विषय पाठ्यचर्या
चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) एवं अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या (LOCF)
प्रथम वर्ष : प्रथम सेमेस्टर – पाठ्यचर्या : अकादमिक सत्र - 2021-22

प्रश्न पत्र -1

1. पाठ्यचर्या का नाम: मराठी भाषा परिचय
(Name of the Course)
2. पाठ्यचर्या का कोड: MSMU111
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: __ 4 __ (Credit)
4. सेमेस्टर: प्रथम सेमेस्टर (**Semester**)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	------
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को मराठी भाषा की संरचना से परिचित कराना है। मराठी मौखिक भाषा, बोली भाषा, लीपी एवं प्रमाण भाषा की संकल्पना व स्वरूप से परिचित कराना हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी मराठी में मौखिक भाषा, बोली भाषा, लीपी एवं प्रमाण भाषा की संकल्पना व स्वरूप से अवगत होंगे।
कौशल संबंधी	विद्यार्थी में मराठी भाषा सुनकर बोलने और समझने की क्षमता का विकास होगा एवं विद्यार्थी मराठी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण को समझ सकेंगे।
रोजगार संबंधी	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी को अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सुलभ हो सकेगें।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• मराठी भाषा परिचय : मराठी	10	5		15	25%

	भाषेचा संक्षिप्त परिचय, ● मराठी भाषेचा क्रमिक विकास, ● मराठी भाषा परिवार, ● मराठी भाषेची उत्पत्ती ● मराठी भाषेतील कोशकार्य आणि भाषांतर कार्य					
मॉड्यूल-2	● मराठी बोलींचा संक्षिप्त परिचय ● वऱ्हाडी बोली ● खानदेशी बोली ● मालवणी बोली	**1**0	5		15	**25%**
मॉड्यूल-3	● मराठी लिपीचा संक्षिप्त परिचय ● मराठी लिपीचे शिलालेख ● मराठी लिपीची उत्पत्ती ● मोडी लिपी ● देवनागरी लिपी	**10**	5		15	**25%**
मॉड्यूल-4	● प्रमाण भाषा संकल्पना आणि स्वरूप ● प्रमाण भाषा म्हणजे काय ? ● प्रमाण भाषेची	**10**	**5**		**15**	25**%**

	वैशिष्टये • प्रमाण भाषा आणि बोली भाषा तुलना					
योग		**40**	**20**	**0**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	प्रत्यक्ष विधि ,व्याकरण विधि, अनुकरण विधि, इकाई विधि, प्रयोजन विधि, प्रोजेक्ट विधि, समस्या समाधान विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण , श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , पत्रिका , पत्रिका आलेख, इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा एक सेमिनार की प्रस्तुति दी जाएगी जिसके आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत एक सत्रीय कार्य/ सत्रांतपत्र के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. महाराष्ट्र सारस्वत (खंड 1 व खंड 2)- वि.ल.भावे, शं.गो. तुळपुळे 2. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास : भाग 1 ते 7 - अ.ना.देशपांडे 3. महाराष्ट्रातील पांच संप्रदाय - पं.रा.मोकाशी 4. नाथसंप्रदाय - म.रा.जोशी 5. मराठी भाषेचे मूळ - विश्वनाथ खैरे 6. प्राचीन मराठी गद्य :प्रेरणा आणि परंपरा - श्री. रां.कुळकर्णी 7. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप - ह.श्री.शेणोलीकर 8. यादवकालीन महाराष्ट्र - मु.ग.पानसे 9. संतावाङ्मयाची सामाजिक फलश्रुती - गं.बा.सरदार 10. मराठी साहित्याचे आदिबंध - उषा मा.देशमुख 11. वारकरी संप्रदाय : उदय व विकास - भा. पं..बहिरट, अ.ज्ञा.भालेराव 12. पाच भक्तिसंप्रदाय - र.रा.गोसावी 13. युगप्रवर्तक संत : तुकाराम-रामदास - संपा. शरयू तायवाडे, राजेंद्र वाटाणे, कोमल ठाकरे 14. महाराष्ट्र संस्कृतीची जडणघडण - ह. श्री शेणोलीकर, देशपांडे 15. संत कवयित्री - इंदमुती शेवडे 16. प्राचीन मराठी जैन साहित्य - सुभाषचंद्र अक्कोडे 17. मराठी वीरशैव साहित्य - सुधाकर मोगलेवार 18. मुसलमानांची जुनी मराठी कविता - अ.का. प्रियोळकर 19. मुसलमान मराठी संतकवी - रा.चिं.ढेरे 20. वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना - संपा.द.दि.पुंडे 21. बखर वाङ्मय : उद्गम आणि विकास - बापूजी सपकाळ 22. मराठी लावणी - म.वा.धोंड खिस्ती मराठी वाङ्मय - गंगाधर मोरजे
3.	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ

		यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

प्रश्न पत्र – 2

1. पाठ्यचर्या का नाम: मराठी साहित्य परिचय
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSMU112
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 2 __ (Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम सेमेस्टर **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को मराठी साहित्य के काव्य, गद्य, नाटक एवं कादंबरी साहित्य से परिचित कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs
(Course Learning Outcomes):

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**20**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**------**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी मराठी की विभिन्न विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
कौशल संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी को मराठी काव्य, गद्य, नाटक एवं कादंबरी साहित्य के लेखन एवं इन विधाओं में अभिरुचि द्वारा अभिव्यक्ति प्रदान कर सकेंगे।
रोजगार संबंधी	मराठी साहित्य के अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• मराठी काव्य परंपरा परिचय • मराठी काव्य	10	5		15	**50%**

	संकल्पना • संत, पंडिती आणि शाहिरी काव्य • अर्वाचीन मराठी काव्य • कृष्णाजी केशव दामले 'केशवसुत' निवडक कविता					
मॉड्यूल-2	• मराठी नाटक परंपरा परिचय • मराठी नाट्य परंपरेचा उदय • मराठी नाटकाचे विविध लोक प्रकार • सीता स्वयंवर – विष्णुदास भावे	**10**	5		15	**50%**
योग		**20**	**10**	**0**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	प्रत्यक्ष विधि, व्याकरण विधि, अनुकरण विधि, इकाई विधि, प्रयोजन विधि, प्रोजेक्ट विधि, समस्या समाधान विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग ,ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण,श्यापट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

3. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा एक सेमिनार की प्रस्तुती के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत एक सत्रीय कार्य/ सत्रांत कार्य के आधार पर मूल्यांकन किया जाएग

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**

1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भावे, विष्णु दास, सीता स्वयंवर
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. महाराष्ट्र सारस्वत खंड 1-2 – वि.ल. भावे, शं.गो. तुळपुळे 2. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास – 1 ते 7 – अ.ना. देशपांडे 3. महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय –पं.रा. मोकाशी 4. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप : ह.श्री. शेणोलीकर 5. मराठी कविता जूनी आणि नवी – वा.ल. कुळकर्णी 6. संत कवियित्री – इंदूमती शेवडे 7. ओवी ते लावणी – श्री.र. कुलकर्णी 8. संत पंत व तंत– श्री. म. माटे 9. प्राचीन मराठी कवि पंचक – द.सी. पंगू 10. मध्ययुगीन मराठी साहित्य : एक पुनर्विचार – श्री.र. कुलकर्णी 11. प्राचीन मराठी नवधारा –रा.चि. ढेरे 12. मराठी आख्यान कविता – गं.ब. ग्रामोपाध्याय 13. महाकाव्य स्वरूप आणि समीक्षा – द.भि. कुळकर्णी 14. मराठी साहित्याचे आदिबंध – उषा देशमुख 15. पैंजन – म.ना. अदवत 16. महाद्वाराच्या पायरीशी – सं. हेमंत इमानदार, ल.म.नासिराबादकर 17. आनंदाचा डोह – रा.ग. जाधव 18. महानुभाव पंथ आणि त्याचे वाङ्मय : शं.गो. तुळपुळे 19. प्राचीन मराठी गद्य: प्रेरणा व परंपरा – श्री. र. कुळकर्णी 20. महानुभावीय मराठी वाङ्;मय – य.खु. देशपांडे 21. महानुभाव साहित्य दर्शन – डॉ. उषा देशमुख 22. मराठी बखर वाङ्;मय – डॉ. र.वि. हेरवाडकर 23. प्राचीन मराठीतील चरित्रलेखन – डॉ. वसंत बोरगावकर 24. बखर वाङ्मय उद्गम आणि विकास- बापूजी सपकाळ 25. मराठी बखर गद्य – संपा. गं.ब. ग्रामोपाध्ये
3.	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

प्रथम वर्ष : द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र -3

1. पाठ्यचर्या का नाम: मराठी साहित्य प्रकार: गद्य
(Name of the Course)
2. पाठ्यचर्या का कोड: MSMU113
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: __ 4 __ (Credit)
4. सेमेस्टर: द्वितीय सेमेस्टर **(Semester)**
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य है विद्यार्थी को मराठी साहित्य प्रकारों में विशेष रूप से गद्य से परिचित कराते हुए गद्य प्रकारों के विवेचन विश्लेषण में दक्षता प्रदान करना।
6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	------
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी मराठी में साहित्य प्रकारों की संकल्पना व स्वरूप से अवगत होंगे।
कौशल संबंधी	विद्यार्थी में मराठी साहित्य प्रकारों को समझने की क्षमता का विकास होगा एवं विद्यार्थी मराठी साहित्य प्रकारों के वर्गीकरण को समझ सकेंगे।
रोजगार संबंधी	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी को अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सुलभ हो सकेगें।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• मराठी गद्य परंपरा परिचय • गद्य संकल्पना आणि स्वरूप, • चरित्र लेखन, आत्मचरित्र,	10	5		15	25%

	कादंबरी, कथा, नाटक, एकांकिका, संस्मरण, प्रवास वर्णन व इतर • चरित्रग्रंथ – लीळाचरित्राची भाषा • दक्षिणा प्राईज कमिटी					
मॉड्यूल-2	• मराठी कथा, कहाणी परिचय • मराठी कथा, कहाणी संकल्पना व स्वरूप • अरविंद गोखले – 'कोंकराची कथा' • व्य. दि. माडगूळकर – 'बाजाराची वाट' • अण्णाभाऊ साठे – 'स्मशानातील सोनं'	**10**	5		15	**25%**
मॉड्यूल-3	• मराठी कादंबरी परिचय • मराठी कादंबरी संकल्पना व स्वरूप • प्रथम मराठी कादंबरी 'यमुना पर्यटन'- बाबा पद्मनजी	**10**	5		15	**25%**
मॉड्यूल-4	• मराठी समीक्षा : स्वरूप व संकल्पना • मराठी समीक्षेची संकल्पना • मराठी समीक्षेचा	**10**	**5**		**15**	25**%**

	उद्-गम व विकास • बा.सी. मर्ढेकर – 'वाङमयीन माहात्मतेचा सिद्धांत' • शरच्चंद्र मुक्तिबोध – 'मानुषतेचा सिद्धांत' • भालचंद्र नेमाडे– 'देशीवाद'					
योग		**40**	**20**	**0**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	प्रत्यक्ष विधि ,व्याकरण विधि, अनुकरण विधि, इकाई विधि, प्रयोजन विधि, प्रोजेक्ट विधि, समस्या समाधान विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण , श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , पत्रिका , पत्रिका आलेख, इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

5. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा एक सेमिनार की प्रस्तुति दी जाएगी जिसके आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत एक सत्रीय कार्य/ सत्रांतपत्र के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	कुलकर्णी मदन, लीळाचरित्र पूर्वार्ध
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. महाराष्ट्र सारस्वत (खंड 1 व खंड 2) - वि.ल.भावे, शं.गो. तुळपुळे 2. प्राचीन मराठी वाड्.मयाचा इतिहास : भाग 1 ते 7 - अ.ना.देशपांडे 3. महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय - पं.रा.मोकाशी 4. नाथसंप्रदाय - म.रा.जोशी 5. मराठी भाषेचे मूळ - विश्वनाथ खैरे 6. प्राचीन मराठी गद्य :प्रेरणा आणि परंपरा - श्री. रां.कुळकर्णी 7. प्राचीन मराठी वाड्मयाचे स्वरूप - ह.श्री.शेणोलीकर 8. यादवकालीन महाराष्ट्र - मु.ग.पानसे 9. संतावाड्.मयाची सामाजिक फलश्रुती - गं.बा.सरदार 10. मराठी साहित्याचे आदिबंध - उषा मा.देशमुख 11. वारकरी संप्रदाय : उदय व विकास - भा. पं..बिहरट, अ.ज्ञा.भालेराव 12. पाच भक्तिसंप्रदाय - र.रा.गोसावी 13. संत, पंत व तंत- श्री म. माटे 14. ज्ञानदेव आणि नामदेव : शं.दा.पेंडसे 15. ज्ञानदेव आणि ज्ञानदेवी : संपा. रा.चिं.ढेरे 16. मराठी कविता : जुनी आणि नवी - वा. ल. कुळकर्णी 17. ज्ञानेश्वरांचे तत्त्वज्ञान - शं.दा. पेंडसे 18. ज्ञानेश्वर चरित्र आणि संशोधन - रा.ग. हर्षे 19. श्रीज्ञानदेवदर्शन - संपा. ब.स. येरकुंटवार

		20. ज्ञानेश्वरी-प्रबोध - संपा.शंकर अभ्यंकर 21. ज्ञानेश्वरी : स्वरूप, तत्वज्ञान आणि काव्य - म.वा.धोंड 22. मराठी आख्यान कविता - ग.ब.ग्रामोपाध्ये 23. महाकाव्य : स्वरूप आणि समीक्षा - द.भि.कुळकर्णी 24. महदंबेचे धवळे - संपा. मदन कुळकर्णी 25. मराठी लावणी - म.वा. धोंड 26. मराठी शाहीर - श्री.म.वर्दे 27. मध्ययुगीन मराठी साहित्य : एक पुनर्विचार - श्री. र. कुळकर्णी
3.	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

प्रश्न पत्र – 4

1. पाठ्यचर्या का नाम: मराठी व्याकरण
(Name of the Course)
2. पाठ्यचर्या का कोड: MSMU114
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: __ 2 __ (Credit)
4. सेमेस्टर: द्वितीय सेमेस्टर **(Semester)**
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को मराठी व्याकरण के विभिन्न पक्षों से परिचित कराना है।
6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs
(Course Learning Outcomes):

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**20**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**------**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी मराठी व्याकरण के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
कौशल संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी को मराठी व्याकरण के द्वारा मराठी लेखन एवं संवाद की अभिव्यक्ति को प्रदान कर सकेंगे।
रोजगार संबंधी	मराठी भाषा में अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/		

				Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• मराठी व्याकरण : शब्दांच्या जाती • नाम, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण व इतर	**10**	5		15	**50%**
मॉड्यूल-2	• मराठी अलंकार व विभक्ती विचार • अलंकार व्याख्या, प्रकार, प्रात्यक्षिक • विभक्ती व्याख्या • विभक्ती प्रकार	**10**	5		15	**50%**
योग		**20**	**10**	**0**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	प्रत्यक्ष विधि, व्याकरण विधि, अनुकरण विधि, इकाई विधि, प्रयोजन विधि, प्रोजेक्ट विधि, समस्या समाधान विधि

तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग ,ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण,श्यापट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

7. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

10. क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा एक सेमिनार की प्रस्तुति दी जाएगी जिसके आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत एक सत्रीय कार्य/ सत्रांतपत्र के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. शास्त्रीय मराठी व्याकरण – मो.के. दामले 2. आधुनिक मराठीचे उच्चतर व्याकरण – म.पां.सबनीस

		3. मराठी व्याकरणाचा पुनर्विचार – अरविंद मंगरूळकर 4. मराठीचे व्याकरण – लीला गोविलकर 5. मराठी व्याकरण : काही समस्या – प्रा. प्र.ना.दिक्षित 6. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी आधुनिक हिंदी व्याकरण तथा रचना – रंजन प्रकाशन, आगरा – अग्रवाल कैलाशचंद्र
3.	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

द्वितीय वर्ष : तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र -5

1. पाठ्यचर्याका नाम: Name of the Course) :

संत साहित्याचा अभ्यास

2. पाठ्यचर्याकाकोड: (Code of the Course) ; MSMU115

3. क्रेडिट: (Credit) 04

4. सेमेस्टर: (Semester) : तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	संत साहित्यांचा अभ्यास होईल.
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course) प्रस्तुत पाठ्यचर्या ही 'संत साहित्याचा अभ्यास' या विषयावर आधारित आहे. या पाठ्यचर्येतुन विद्यार्थ्यांस मराठी संत साहित्याचा अभ्यास करता येईल तसेच निवडक मराठी संतांचा आणि त्यांच्या निवडक कृतींचा, अभंगांचा आणि गाथेंचा अभ्यास करता येईल.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	या पाठ्यचर्येच्या अभ्यासानंतर विद्यार्थ्यांस मराठी संत साहित्याची वैश्विक मूल्ये अवगत करता येतील.व विद्यार्थी निवडक संतांच्या जीवनाचे आणि त्यांच्या निवडक कृतींचा, अभंगांचा आणि गाथेंचेविवेचन करू शकणार.
कौशल संबंधी	मराठी संतांच्या जीवनाची आणि कृतींची पार्श्वभूमी सांगण्याचे कौशल मिळवू शकणार. संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, संत बहिणाबाई आणि संत चोखा मेळा यांच्या संत कुटुंबाचे संत साहित्यातील योगदानावर भाष्य करू शकणार.
रोजगार संबंधी	मराठी भाषा में अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**संत साहित्याचा अभ्यास** **मॉड्यूल 1.संत ज्ञानेश्वर (1275)** • ज्ञानेश्वर जीवन परिचय आणि तत्वज्ञान • निवडक 'पसायदान' 'सार्थज्ञानेश्वरी'	10	05	0	15	25%
मॉड्यूल-2	**मॉड्यूल 2.कवि कुटुंब(1273)** • संत चोखा मेळा, संत सोयराबाई, संत बंका, संत कर्ममेळा, संत निर्मळाबाई • वरील संत कवींच्या निवडक गाथा/पदांचा अभ्यास	10	05	0	15	25%
मॉड्यूल-3	**मॉड्यूल 3.संत तुकाराम (1608)** • संत तुकाराम जीवन परिचय आणि तत्वज्ञान • तुकाराम महाराजांच्या निवडक गाथा	10	05	0	15	25%
मॉड्यूल-4	**मॉड्यूल 4.संत कवियत्री** • संत जनाबाई **(1258)** • संत मुक्ताबाई **(1279)** • संत बहिणाबाई**(1628)** • वरील संत कवियत्रीच्या निवडक गाथा/पदांचा अभ्यास	10	05	0	15	25%
योग		**40**	**20**		**60**	**100**

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण पद्धती, वर्ग व्याख्यान, चर्चा, चर्चासत्र इत्यादीचा प्रयोग,
विधियाँ	व्याख्यान पद्धती, चित्किसा पद्धती , संवाद व चर्चा पद्धती.
तकनीक	आई सी टी वर आधारित शिक्षण पद्धती, शिक्षण आधारित ऐपचा प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला, सहायक सामग्रीचा उपयोग, , दृश्य श्रव्य माध्यम, ऑडियो वीडियो व्याख्यान, अभ्यास , चर्चासत्र.
उपादान	वर्ग नोटस , नियतकालिक ,पत्र-पत्रिका , दृश्य- श्रव्य माध्यम इत्यादी .

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs)की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ - (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. भागवत, दीपक. (2015) *श्री ज्ञानेश्वर माउली (मराठी)*, गीता प्रेस, गोरखपुर 2. गोळे, रवींद्र. (2018) *अभंग सेतू*, महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, मुंबई 3. लाड, पुरुषोत्तम मंगेश. (1973) *श्री तुकारामबावांच्या अभंगांची गाथा*, महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, मुंबई

		4. जावडेकर, शालिनी अनंत. (1989) संत बहेणाबाईंचा गाथा, कॉन्टिनेन्टल आणि धार्मिक व सांस्कृतिक वाङमय प्रकाशन, पुणे 5. कदम, स. भा. (2018) *श्री संत चोखामेळा चरित्र आणि अभंग*, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. दांडेकर, शं. वा. (1966) *वारकरी पंथाचा इतिहास*, धार्मिक वाङमय प्रकाशन मंडळ संस्था, आळंदी 2. सुंठणकर, बा. र. (1948) *महाराष्ट्रीय संतमंडळाचे ऐतिहासिक कार्य*, बेळगाव 3. सरदार, ग. बा. (1962) *संतवाङमयची सामाजिक फलश्रुती*, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे 4. बहिरट, भा. प., भालेराव, अ. ज्ञा. (1972) *वारकरी संप्रदाय उदय व विकास*, व्हीनस प्रकाशन, पुणे 5. जांभुळे, सरिता हरीदास. (2001) *चोखोबाची कविता*, सुगावा प्रकाशन, पुणे 6. पाटील, रवींद्र. (2022) *ज्ञानेश्वरीतील व्याख्या व संबोध*, लोकवाङमय गृह प्रकाशन, मुंबई
3.	ई-संसाधन	**www. youtube.com** **www.google .com**
4.	अन्य	ई-बुक / ऑनलाइन

प्रश्न पत्र – 6

1. पाठ्यचर्याका नाम: Name of the Course) :

सामान्य भाषाविज्ञान

2. पाठ्यचर्याकाकोड: (Code of the Course) ; MSMU116

3. क्रेडिट: (Credit) 02

4. सेमेस्टर: (Semester): तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course) प्रस्तुत पाठ्यचर्या 'सामान्य भाषाविज्ञान' या विषयावर आधारित आहे. या पाठ्यचर्येतुन विद्यार्थ्यांस भाषा, ध्वनी विचार, स्वनिम विचार, पद विचार, वाक्य विचार आणि अर्थ विचार यांचा अभ्यास करता येईल.

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	सामान्य भाषा विद्यायांची सकल्पना या चा विकास होईल.
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	या पाठ्यचर्येच्या अभ्यासानंतर विद्यार्थ्यांस भाषेचा अर्थ, स्वरूप आणि व्याख्या सांगता येईल. विद्यार्थ्यांस ध्वनी विचार, स्वनिम विचार, पद विचार, वाक्य विचार आणि अर्थ विचार या घटकांची ओळख होईल.
कौशल संबंधी	विद्यार्थी भाषा या संकल्पनेच्या विविध व्याख्या करण्याचे कौशल्य प्राप्त करू शकणार. ध्वनी विचार, स्वनिम विचार, पद विचार, वाक्य विचार आणि अर्थ विचार यांच्यातील सूक्ष्म अंतर करण्याचे कौशल मिळवणार.
रोजगार संबंधी	मराठी भाषा में अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषा : अर्थ स्वरूप आणि व्याख्या** ● भाषेची व्याख्या आणि वैशिष्ट्य	**05**	03	0	**08**	**30**%
मॉड्यूल-2	**ध्वनी विचार** ● ध्वनी निर्मितीचे प्रमुख घटक ● ध्वनी परिवर्तन : व्याख्या, वैशिष्ट्य आणि प्रकार	**05**	03	0	**08**	**30**%
मॉड्यूल-3	● स्वनिम आणि वाक्य विचार	**05**	03	0	**08**	**30**%
मॉड्यूल-4	● पद आणि अर्थ विचार	**05**	01	0	**06**	**10%**
योग		20	**10**		**30**	**100**

टिप्पणी:

11. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

12. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण पद्धती, वर्ग व्याख्यान, चर्चा, चर्चासत्र इत्यादीचा प्रयोग,
विधियाँ	व्याख्यान पद्धती, चिकित्सा पद्धती , संवाद व चर्चा पद्धती.
तकनीक	आई सी टी वर आधारित शिक्षण पद्धती**,** शिक्षण आधारित ऐपचा प्रयोग **,** ई.पी.जी पठशाला, सहायक सामग्रीचा उपयोग**,** , दृश्य श्रव्य माध्यम, ऑडियो वीडियो व्याख्यान, अभ्यास , चर्चासत्र.
उपादान	वर्ग नोटस **,** नियतकालिक ,पत्र-पत्रिका , दृश्य- श्रव्य माध्यम इत्यादी .

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs)की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ - (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. काळे, कल्याण. (1982) *सं. वर्णनात्मक भाषा विज्ञान : स्वरूप आणि पद्धती*, गोखले एजुकेशन सोसायटी, नाशिक 2. कालेलकर, ना. गो. (1985) *भाषा इतिहास आणि भूगोल*, मौज प्रकाशन, मुंबई 3. कुलकर्णी, कृ. पा. (1957) *मराठी भाषा उद्गम आणि विकास*, मॉडर्न बुक डेपो, पुणे 4. कानडे, मु. श्री. (1979) *सं. मराठीचा भाषिक अभ्यास*, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे 5. खैरे, विश्वनाथ. (1970) *मराठी भाषेचे मूळ*, प्रकाशन: मराठी संशोधन, मुंबई 6. गवळी, अनिल. *भाषा विज्ञान आणि मराठी भाषा*, हिरण्यकेशी प्रकाशन, कोल्हापूर 7. मालशे, स. ग. (1982) *भाषा विज्ञान: वर्णनात्मक आणि इतिहास*,संजय प्रकाशन, पुणे
3.	ई-संसाधन	**www. youtube.com** **www.google .com**
4.	अन्य	ई-बुक / ऑनलाइन

द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र – 7

1. पाठ्यचर्याका नाम: Name of the Course) : मराठी नाटक
2. पाठ्यचर्याकाकोड: (Code of the Course) ; MSMU117
3. क्रेडिट: (Credit) 04
4. सेमेस्टर: (Semester): चतुर्थ
5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course) प्रस्तुत पाठ्यचर्या 'मराठी नाटक'या विषयावर आधारित आहे. या पाठ्यचर्येतुन विद्यार्थ्यांस मराठी नाट्य परंपररेत आधुनिक मराठी नाटकांचा अभ्यास करता येईल. आणि ह्या पाठ्यचर्येत निवडक मराठी नाटक-'तृतीय रत्न', 'घाशीराम कोतवाल', 'वाडा चिरेबंदी' आणि 'किरवंत' या मराठी नाटकांचाविशेष अभ्यास करण्यात येईल.

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	मराठी नाटय परंपरा समजून येईल.
कुल क्रेडिटघंटे	60

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्येच्या अभ्यासानंतर विद्यार्थ्यांस मराठी नाटकांची पार्श्वभूमीचे विवेचन आणि आधुनिक मराठी नाटकांचे विश्लेषण करण्याचे ज्ञान मिळवता येईल.
कौशल संबंधी	मराठी नाट्य परंपरेची पार्श्वभूमी आणि आधुनिक मराठी नाटकांची ओळख करण्याचे तसेच निवडक नाटकांवर विस्तृत नाट्य समीक्षण करण्याचे कौशल मिळवू शकणार.
रोजगार संबंधी	मराठी भाषा में अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**(निवडक नाटकांचा अभ्यास)** • मराठी नाट्य परंपरेची पार्श्वभूमी	10	05	0	15	25%
मॉड्यूल-2	• आधुनिक मराठी नाटकाचे स्वरूप	10	05	0	15	25%
मॉड्यूल-3	• महात्मा फुले आणि त्यांचे	10	05	0	15	25%
मॉड्यूल-4	• 'घाशीराम कोतवाल' :	10	05	0	15	25%

	विजय तेंडुलकर					
योग		**40**	**20**		**60**	**100**

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण पद्धती, वर्ग व्याख्यान, चर्चा, चर्चासत्र इत्यादीचा प्रयोग,
विधियाँ	व्याख्यान पद्धती, चिकित्सा पद्धती , संवाद व चर्चा पद्धती.
तकनीक	आई सी टी वर आधारित शिक्षण पद्धती, शिक्षण आधारित ऐपचा प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला, सहायक सामग्रीचा उपयोग, , दृश्य श्रव्य माध्यम, ऑडियो वीडियो व्याख्यान, अभ्यास , चर्चासत्र.
उपादान	वर्ग नोटस , नियतकालिक ,पत्र-पत्रिका , दृश्य- श्रव्य माध्यम इत्यादी .

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs)की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ - (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य	1. नरके, हरी. (2013) *सं. महात्मा फुले समग्र वाङमय, (नाटक- तृतीय रत्न, 1855*

	ग्रंथ	*संकलित पृष्ठ संख्या 1-33),*प्रकाशन- महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृति मंडळ, मुंबई 2. तेंडुलकर, विजय. (2020) *घाशीराम कोतवाल,*पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई 3. एलकुंचवार, महेश. (2013)*वाडा चिरेबंदी,*मौज प्रकाशन, पुणे 4. गज्वी, प्रेमानंद. (2016) किरवंत, मॅजेस्टिक पब्लिशिंग हाऊस, मुंबई
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. काळे, के. ना. (1971) *मराठी रंगभूमि – मराठी नाटक-घटना आणि परंपरा,* प्रकाशक - मुंबई मराठी साहित्य संघ, मुंबई 2. परांजपे, प्र. ना. (2021) नाटक : काही निरीक्षणे, काही परीक्षणे, ग्रंथाली प्रकाशन, मुंबई 3. भावे, पुष्पा. व कन्हो, अनंत. (1991) *प्रदक्षिणा खंड दुसरा -स्वातंत्र्योत्तर मराठी साहित्याचा मागोवा, १९४७-२०००,(मराठी नाटक),* कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे 4. वनारसे, श्यामला. (1997) *घाशीराम कोतवाल : एक अभ्यास,* पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई 5. राजाध्यक्ष, विजया. (2002) *मराठी वाङमय कोश- खंड चौथा : समीक्षा-संज्ञा,* प्रकाशक- महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृति मंडळ, मुंबई
3.	ई-संसाधन	**www. youtube.com** **www.google .com**
4.	अन्य	ई-बुक / ऑनलाइन

प्रश्न पत्र – 8

1. पाठ्यचर्याका नाम: Name of the Course) :
भाषांतर विद्या : मराठी –हिंदी
2. पाठ्यचर्याकाकोड: (Code of the Course) ; MSMU118
3. क्रेडिट: (Credit) 02
4. सेमेस्टर: (Semester): चतुर्थ
5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course) प्रस्तुत पाठ्यचर्या 'भाषांतर विद्या: मराठी-हिंदी'या विषयावर आधारित आहे. या पाठ्यचर्येतुन विद्यार्थ्यांस भाषांतर कलेच्या माध्यमातून मराठी-हिंदी भाषेतील भाषांतरचे अभ्यास करता येईल.

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	मराठी-हिंदी भाषांतर विद्या : कौशल्य प्राप्त येईल.
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	या पाठ्यचर्येच्या अभ्यासानंतर विद्यार्थ्यांस भाषांतर विद्या या विषयावर विस्तृत ज्ञान मिळवता येईल.
कौशल संबंधी	विद्यार्थी भाषांतर कलेच्या अभ्यासातून प्रायोगिक पद्धतीने 'मराठी-हिंदी' भाषेतील विपुल

	वाङमयाचे भाषांतर करण्याचे कौशल मिळवू शकणार. तसेच दोन भारतीय भाषेतील समन्वय साधून दोन संस्कृतीचे आदान-प्रदान करण्याचे कौशल सुद्धा मिळवतील.
रोजगार संबंधी	मराठी भाषा में अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• **भाषांतर कला : मराठी-हिंदी** भाषांतर अर्थ, स्वरूप, व्याख्या आणिप्रकार	**05**	03	0	**08**	**30**%
मॉड्यूल-2	• भाषांतर सिद्धांत: प्रतीक आणि समतुल्य	**05**	03	0	**08**	**30**%
मॉड्यूल-3	• भाषांतर प्रक्रिया	**05**	03	0	**08**	**30**%
मॉड्यूल-4	• मराठी-हिंदी भाषांतर अभ्यास	**05**	01	0	**06**	**10%**
योग		20	**10**		**30**	**100**

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण पद्धती, वर्ग व्याख्यान, चर्चा, चर्चासत्र इत्यादीचा प्रयोग,
विधियाँ	व्याख्यान पद्धती, चिकित्सा पद्धती , संवाद व चर्चा पद्धती.
तकनीक	आई सी टी वर आधारित शिक्षण पद्धती, शिक्षण आधारित ऐपचा प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला, सहायक सामग्रीचा उपयोग, , दृश्य श्रव्य माध्यम, ऑडियो वीडियो व्याख्यान, अभ्यास , चर्चासत्र.
उपादान	वर्ग नोटस , नियतकालिक ,पत्र-पत्रिका , दृश्य- श्रव्य माध्यम इत्यादी .

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs)की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ - (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. पानसे, मु. ग. (1961) *सं. भाषा : अंतःसूत्र आणि व्यवहार*, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे 2. मालशे, मिलिंद. (1995) आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन, लोकवाङमय गृह, मुंबई 3. धोंगडे, रमेश व धोंगडे, अश्विनी. (1993) मराठी भाषा आणि शैली, मधुराज प्रकाशन, पुणे
3	ई-संसाधन	**www. youtube.com** **www.google .com**
4	अन्य	ई-बुक / ऑनलाइन उपलब्ध सामग्री

(शिक्षक के हस्ताक्षर) **(विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर)**